

## वश्व गौरैया दविस

प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को वश्व गौरैया दविस मनाया जाता है। इस दविस का उद्देश्य गौरैया के बारे में जागरूकता बढ़ाना और घरेलू गौरैया का संरक्षण सुनिश्चित करना है।



### वश्व गौरैया दविस की मुख्य वशिषताएँ:

- परचिय:
  - द नेचर फॉरएवर सोसाइटी ऑफ इंडिया एवं फ्रांस के इको-एसआईएस एक्शन फाउंडेशन द्वारा वश्व गौरैया दविस मनाने का वचिार रखा गया था।
  - इसमें कहा गया था कि घरेलू गौरैया के लयि एक दनि समर्पति कयिा जाए ताकि उसकी सुरक्षा के बारे में प्रचार कयिा जा सके।
  - पहला वश्व गौरैया दविस वर्ष 2010 में मनाया गया था।
- वर्ष 2022 के लयि थीम:
  - 'गौरैया से मुझे प्यार है' (I Love Sparrows)।
- महत्त्व:
  - गौरैया वलुप्त होने की कगार पर है और इसके संरक्षण एवं जागरूकता बढ़ाने के लयि वश्व गौरैया दविस मनाया जाता है।
    - हालाँकि पहले हमारे घरों के आसपास गौरैया का दखिना एक आम बात थी तथा उन्हें आसानी से देखा जा सकता था लेकिन वर्तमान में प्रकृत और जैव वविधिता के नुकसान के कारण शहरों में गौरैया को देखना और भी मुश्कलि हो गया है।
  - गौरैया के संरक्षण और शहरी जैव वविधिता के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए इसे एक मंच के रूप में उपयोग करने पर वचिार कयिा गया।
- काफी सामान्य और व्यापक प्रजातयिाँ:
  - घरेलू गौरैया दुनयिा की सबसे आम और व्यापक प्रजातयिाँ में से एक है।
  - घरेलू गौरैया के अलावा गौरैया की अन्य 26 वशिषिट प्रजातयिाँ हैं।
    - ये सभी प्रजातयिाँ तीन महाद्वीपों अर्थात् एशयिा, अफ्रीका और यूरोप में पाई जाती हैं।
- गौरैया की संख्या में गरिावट के कारण:
  - बढ़ता प्रदूषण, शहरीकरण, ग्लोबल वारमगि और लुप्त हो रहे पारसिथतिक संसाधन।

### गौरैया की वशिषताएँ:

- घरेलू गौरैया (पासर डोमेस्टकिस) शायद दुनयिा में सबसे व्यापक और सामान्य तौर पर देखा जाने वाला जंगली पक्षी है।
- इसे यूरोपीय लोगों द्वारा दुनयिा भर में पहुँचाया गया और अब इसे न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलया, उत्तरी अमेरका, भारत और यूरोप सहति दुनयिा के दो-तहिाई भूभाग पर देखा जा सकता है।

- यह केवल चीन, इंडो-चीन, जापान एवं साइबेरिया और पूरवी व उष्णकटबिंधीय अफ्रीका आदि क्षेत्रों में अनुपस्थित है।

**स्रोत: लाइव मटि**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/world-sparrow-day>

